सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XIX)

GENERAL STUDIES (Test - XIX)

मॉड्यूल - XIX / Module - XIX

DTVF/18(JS)–M–GS19

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anoop Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address): [redacted]

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 19 / Aug 6, 2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	4	4	6	9

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anupmeena

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

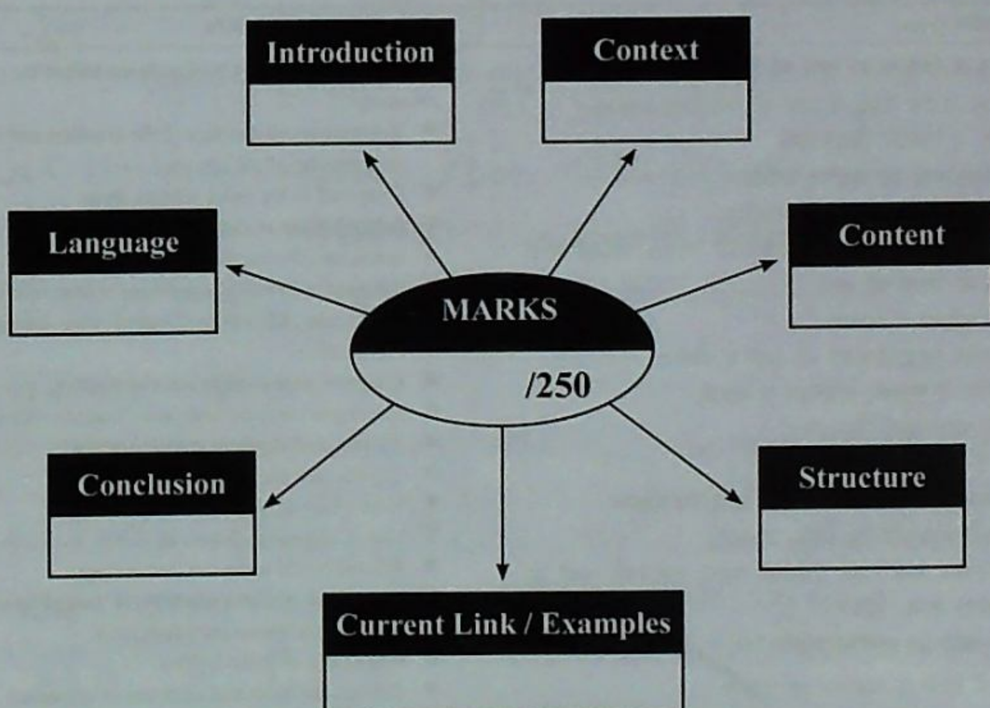

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित मूल्य सिविल सेवा की प्रकृति को देखते हुए महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं-
The following values are considered important in civil services-
(a) सत्यनिष्ठता/ Integrity
(b) निष्पक्षता/ Objectivity
(c) सेवा भावना/ Spirit of Service
(d) सहिष्णुता/ Tolerance
एक लोक सेवक के जीवन में उक्त मूल्यों की प्रासंगिकता का परीक्षण करें। (150 शब्द) 10
Examine the relevance of the above values in the life of a public servant. (150 words) 10

a) सत्यनिष्ठा से तात्पर्य है वैचारिक व मानसिक सुसंगति का होना। सत्यनिष्ठा के अंतर्गत एक लोकसेवक के द्वारा किये जाने वाले कार्यों व प्रशासनीय मूल्यों में एक तर्कसंगतता स्थापित होती है।

सत्यनिष्ठा लोकसेवक में अन्य प्रशासनीय गुणों जैसे वस्तुनिष्ठा, लोकसेवा की भावना, तटस्थता, आचार संहिता व नैतिक संहिता के पालन करने में सहायक हो।

वर्तमान समय में बढ़ रही असमानता, सामाजिक विद्वेष, वंचित वर्गों के उत्थान हेतु सत्यनिष्ठा एक सकारात्मक भूमिका निभा सकती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) निष्पक्षता से तात्पर्य है पूर्वाग्रहों व पूर्वधारणाओं के विपरीत जनकल्याणकारी कार्यों हेतु स्थापित तार्किकता का अनुप्रयोग करना। जैसे- संवैधानिक मूल्यों की पालना, सिविल सेवकों की आचार संहिता आदि।

~~~~ वस्तुनिष्ठता मुख्यतः लोकसेवक की जनसेवा करने, समावेशी विकास व सामाजिक न्याय की स्थापना करने, व्यक्तित्व के विकास, लक्ष्यों की स्पष्टता व अनुशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(c) सेवा भावना से तात्पर्य है ~~बिना~~ अतिरिक्त भुगतान के अपने नैसर्गिक कार्यों (लोक सेवक के रूप में) का निष्पादन करना।

सेवा भावना लोक संसाधनों के अनुकूलतम प्रयोग, संवेदनशीलता व सहिष्णुता को बनाए रखने, भ्रष्टाचार को सीमित करने में महती भूमिका निभा सकता है, जबकि वर्तमान में एक लोकसेवक के सामने राजनीतिक जनता का दबाव उपलब्ध है।

(D) सहिष्णुता से तात्पर्य है विचारों की स्वीकार्यता। नकारात्मक सहिष्णुता से

Copyright – Drishti The Vision Foundation
~~~~

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तात्पर्य केवल तटस्थता व सहअस्तित्व से होता है जबकि सकारात्मक सहिष्णुता विरोधी विचारों को सुनने, स्वीकार करने व उनका सम्मान करने से संबंधित है

सकारात्मक सहिष्णुता एक लोकसेवक हेतु अपरिहार्य है क्योंकि वर्तमान में बढ़ती मॉब लिंचिंग की घटनाएँ सहिष्णुता के घटते स्तर का ही परिणाम है। संवेदनशीलता, लोकप्रियता, समावेशी व न्यायपूर्ण निर्माण हेतु सहिष्णुता आवश्यक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "भावनात्मक बुद्धिमत्ता कुशल प्रशासन का बेहतर उपकरण है।" भारत के बदलते प्रशासनिक परिवेश में इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10
"Emotional intelligence is a potent tool for efficient administration." Discuss in context of evolving administrative system of India. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भावनात्मक बुद्धिमता से तात्पर्य है स्वयं व दूसरे की भावना व मंतव्यों को समझना, प्रबंधन करना एवं अपनी इच्छा के अनुरूप माहौल दिशा प्रदान करना।

वर्तमान में प्रशासनिक परिवेश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जैसे- भ्रष्टाचार की बढ़ती गतिविधियाँ, प्रशासनिक मूल्यों का होता लगातार ह्रास, उचित कार्यसंस्कृति का अभाव, अधीनस्थों व की वरिष्ठों के साथ संबंधों की प्रभावशीलता, मॉब लिंचिंग की बढ़ती घटनाएँ आदि।

भावनात्मक बुद्धिमता उपर्युक्त समस्या व प्रशासन के बढ़ते दायरे के मद्देनजर एक कुशल प्रशासन का उपकरण बन सकता है-

→ सर्वप्रथम उचित कार्यसंस्कृति के निर्माण में सहयोगी बन सकता है जैसे अधीनस्थों की भावनाओं को समझकर उनका प्रबंधन करना।

→ वर्तमान में बढ़ती भीड़ द्वारा हत्याओं को रोकने हेतु भीड़ को नियंत्रित करने के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लिए भीड़ की मानसिकता व भावी कदमों को समझना।

→ संतुलित राजनीति (राजनेता - प्रशासक संबंधों की स्थापना करने में सहायक)

→ जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को सफल बनाने में यह जन-आह्वान के माध्यम से भूमिका निभा सकता है।

→ यह एक स्कैनर की भाँति होता है जो प्रशासकों पर नियमित निगरानी के माध्यम से सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता पर नजर रख सकता है।

नियमित प्रशिक्षण व जाँच, फील्ड ट्रायल आदि के माध्यम से भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रशासकों में समावेशन किया जा सकता है,

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. (a) भ्रष्टाचार को समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय नैतिकता है न कि कानून। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Ethics, and not legislation, can most effectively check corruption. Critically evaluate. (150 words) 10

भ्रष्टाचार से तात्पर्य है स्थापित मानवीय सिद्धांतों से विचलन होना। यह एक बहुआयामी समस्या है जो कि केवल आर्थिक पहलू तक सीमित न होकर प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक पहलू तक विस्तृत है

भ्रष्टाचार को रोकने हेतु भ्रष्टाचार निरोधी अधिनियम 1988, लोकपाल अधिनियम, व्हिसिल ब्लोवर संरक्षण एक्ट, सूचना का अधिकार एक्ट 2005 आदि संस्थागत प्रयासों को कानूनी रूप दिया गया है परंतु ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट नकारात्मक स्थिति क्यों करती है

भ्रष्टाचार को रोकने हेतु केवल कानून प्रावधान पर्याप्त नहीं है अपितु जरूरी है भ्रष्टाचार की बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता को नियंत्रित करने की।

भ्रष्टाचार की बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता को रोकने हेतु सर्वप्रथम शिक्षा व्यवस्था को नैतिक मूल्यों से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

युक्त बनाना होगा जहाँ ईमानदारी, सत्य, संवेदनशीलता जैसे पहलू शामिल हों।

नोलन समिति के सात सिद्धांतों का लोकसेवकों में समावेशन करके नैतिकता के स्तर को बढ़ाया जा सकता है- ईमानदारी, पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व, लोकसेवा, वस्तुनिष्ठता आदि।

कैडबरी समिति की सिफारिशों के माध्यम से कार्पोरेट गवर्नेंस में सुधार करके निगमीय भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जा सकता है जैसे- शेयर धारकों के हितों की रक्षा, सच्चरित्रता व एकनिष्ठता का पालन।

उचित सामाजीकरण के माध्यम से लोगों में भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता को बढ़ाया जा सकता है।

अतः वर्तमान विधिक संस्थागत व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन व नैतिकता के माध्यम से भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता को स्पष्ट कीजिये। एक लोक सेवक के लिये जब इन दोनों के मध्य द्वंद्व उत्पन्न हो जाए तो लोक सेवक को किसे प्राथमिकता देनी चाहिये और क्यों? (150 शब्द) 10

Explain ethics in private and public relations. In case of a conflict between the two which one should be prioritized by a public servant and why? (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निजी नैतिकता से तात्पर्य है व्यक्ति या लोकसेवक अपने नैतिक जीवन में किन-किन मूल्यों को वरीयता प्रदान करता है। जैसे सहिष्णुता, सहानुभूति आदि।

जबकि सार्वजनिक नैतिकता से तात्पर्य है लोकसेवक के आवश्यक गुण जैसे- जवाबदेहिता, पारदर्शिता आदि।

यदि कोई लोक सेवक निजी जीवन में नैतिक होता है तो सार्वजनिक जीवन में भी नैतिक बने रहने की पर्याप्त संभावना होती है। जैसे- यदि वह सहिष्णुता का निजी जीवन में पालन करता है तो इस मूल्य का सार्वजनिक जीवन में भी पालन करने की पूरी संभावना रहती है।

यदि निजी व सार्वजनिक नैतिकता में द्वंद्व उत्पन्न हो जाए तो एक लोकसेवक को सार्वजनिक नैतिकता को प्रधानता देनी चाहिए। इसके निम्नलिखित कारण है-

→ एक लोकसेवक से जनकल्याणकारी कार्यों व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लोकसंसाधनों के अनुकूलतम उपयोग करने की उम्मीद की जाती है
अतः सार्वजनिक नैतिकता का उपयोग करने से उपयोगितावादी विचार के अनुरूप interest of larger group पोषित होते है

→ लागत - लाभ का विश्लेषण करने व जन संप्रभुता के सिद्धांत के कारण लोकसेवक का सार्वजनिक नैतिकता के प्रति झुकाव होना अपरिहार्य बन जाता है

→ लोकसेवक के बुनियादी मूल्य भी मौलिक रूप से सार्वजनिक नैतिकता के ही भाग होते हैं।

→ संवैधानिक मूल्य, विधिक प्रावधान तथा नैतिक & आचार संहिता के अनुपालन संदर्भता भी सार्वजनिक नैतिकता के अनुरूप होती है।

अतः अधिकांश मामलों में, यदि लोकसेवक सार्वजनिक हितों को अधिक व्यापक मानता है तो उसे सार्वजनिक नैतिकता का पालन करना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. (a) "हमें दूसरों के लिये वह करना चाहिये जो हम चाहते हैं कि दूसरे हमारे लिये करें।" मानकीय नीतिशास्त्र के संदर्भ में स्पष्ट करें। (150 शब्द) 10

"Do unto others as you would have them do unto you." Explain in the context of principle of morality. (150 words) 10

"हमें दूसरों के लिए वह करना चाहिए जो हम चाहते हैं कि दूसरे हमारे लिये करें।" उपर्युक्त वाक्य व्यक्ति की कथनी-करनी में सुसंगतता स्थापित करने का समर्थन है।

इस संदर्भ में यदि हम किसी से सहयोग, सम्मान, सत्यनिष्ठा की उम्मीद करते हैं तो जरूरी है कि सबसे पहले हमको स्वयं उपर्युक्त मानवीय गुणों से परिपूर्ण होना पड़ेगा।

इस संदर्भ में सबसे उपर्युक्त उदाहरण हम प्रशासक-जनता के संबंधों का ले सकते हैं यदि प्रशासक जनता की वाजिब माँगों व हितों का ख्याल रखता है तो जनसामान्य भी प्रशासकीय आह्वान पर उनका समर्थन करने हेतु तैयार रहती है।

यह वाक्य वर्तमान में अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिज्ञ व जनता के संबंधों में बढ़ती असंवेदनशीलता, बढ़ती भ्रष्टाचार जैसी असामाजिक गतिविधियाँ आदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः जरूरी यह है कि हम सभी के लिए वही मानदण्ड, नियमों की पालना ~~अपेक्षा~~ करें जो हम किसी और से अपने लिए करते हैं।

इससे सामाजिक शांति स्थापित होने की पर्याप्त संभावना होती है, निर्णयों की सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ती है, विकासात्मक गतिविधियाँ सुचारु रूप से बढ़ेंगी। नकारात्मक सामाजिक स्थिति जैसे बढ़ती असहिष्णुता, असमानता, भीड़ हत्या की घटनाओं को नियंत्रित किया जा सकेगा।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) "आँख के बदले में आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।" इस कथन की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता बताइये। (150 शब्द) 10

"An eye for an eye will make the whole world blind." Explain the relevance of this statement in the current scenario. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

'आँख के बदले आँख पूरे विश्व को अंधा बना देगी" महात्मा गाँधी जी का यह वाक्यांश वर्तमान में भी प्रासंगिक है यह व्यक्तिगत, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर लागू होता है

व्यक्तिगत स्तर पर यह प्रतिशोधात्मक भावना को बढ़ाकर मानव में सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा, सर्वधर्मसमभाव की भावना को कमजोर करती है। वर्तमान में घटित होने वाली मॉब लिंचिंग, आतंकवाद जैसी घटनाएँ इसी का उदाहरण है।

धर्म के नाम पर दूसरे धर्म के लोगों की भावनाओं का दमन; प्रत्युत्तर में दूसरे धर्म व भाषायी लोगों का यही रवैया राष्ट्रीय अखंडता व संप्रभुता को भी खतरे में डालता है।

वहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता आतंकवाद, उसके विरोध में शमनकारी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

गतिविधि ; पुनः प्रत्युत्तर में लोन वुल्फ अटैक की बढ़ती प्रवृत्तियाँ इसी वाक्य को प्रासंगिक करती है। वर्तमान में विश्व में छिड़ी व्यापार युद्ध की स्थितियाँ, शक्ति संतुलन की परिस्थितियों के बदलते स्वरूप भी अन्य उदाहरण है।

अतः मानवता के पहलू को कायम रखने हेतु हमें इस वाक्यांश के अर्थ के विपरीत आँख दिखाने वाले के प्रति प्रेमभावना, संवेदनशीलता, सहिष्णुता, सहयोग की भावना का रुख अपनाना चाहिए। तब ही व्यक्तिगत हो या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सौहार्द्रता का वातावरण कायम रखा जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

6. (a) किसी भी समाज में ईमानदारी का स्तर दो बातों पर निर्भर करता है- पहला यह कि समाज अपने सदस्यों को क्या लक्ष्य देता है और दूसरा यह कि उन लक्ष्यों को पूरा करने के लिये कौन-से साधन प्रदान करता है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The level of honesty in any society depends on two things - first, what goals the society sets for its members and second, what means the society provides to achieve those goals. Explain. (150 words) 10

ईमानदारी से तात्पर्य है कि लक्ष्य का अनुसरण कितनी सत्यनिष्ठा, तार्किकता से किया जा रहा है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) नैतिक शासन के लिये आवश्यक है कि 'गोपनीयता की संस्कृति' की बजाय 'पारदर्शिता की संस्कृति' विकसित की जाए। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

For ethical governance 'culture of transparency' should be promoted over 'culture of privacy'. Analyze. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नैतिक शासन से तात्पर्य है शासकीय पहलुओं में नैतिक मूल्यों का समावेशन करना। इसमें मैडकी समिति व नौलन समिति ~~[illegible]~~ सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, खुलापन, वस्तुनिष्ठता आदि का समावेशन किया जाना चाहिए।

गोपनीयता की संस्कृति से तात्पर्य है सूचनाओं का सीमित प्रवाह जबकि पारदर्शिता की संस्कृति से तात्पर्य है जनता की इच्छा के अनुरूप सूचना का प्रवाह, प्रसंस्करण व प्रबन्धन करना।

भारत में ~~गोपनीयता~~ पारदर्शिता की संस्कृति हेतु सूचना अधिकार अधिनियम, व्हिसिल ब्लोवर संरक्षण एक्ट, लोकपाल एक्ट, ई-गवर्नेंस जैसे उपाय किये गए हैं।

नैतिक शासन हेतु पारदर्शिता की संस्कृति जरूरी है क्योंकि यह लोकसेवकों में उत्तरदायित्व की भावना का विकास करता है। जनता की प्रशासनीय कार्यों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व विकासात्मक गतिविधियों में भूमिका बढ़ाने में सहायक सिद्ध होती है

पारदर्शीता की संस्कृति भ्रष्टाचार नैतिक समस्याओं के समाधान में सहायक सिद्ध हो सकती है। साथ ही यह उचित कार्यसंस्कृति के निर्माण में ; व शक्ति के विकेंद्रीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पारदर्शीता की संस्कृति ग्रामीण व वंचित वर्गों की भूमिका बढ़ाकर नैतिक शासन की स्थापना करने में सहयोग करती है क्यों कि यह गरीबी, बेरोजगारी रोधी विकासकार्यक्रमों में जनभागीदारी बढ़ाती है

समग्रतः RTI एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन, ऑफिशियल सिक्रेट एक्ट में संशोधन, लोकपाल की नियुक्त आदि के माध्यम से पारदर्शीता की संस्कृति की स्थापना की जा सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) किसी संगठन की कार्य संस्कृति काफी हद तक उस समाज की मूल संस्कृति से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में एक लोक सेवक के लिये अच्छी कार्य संस्कृति बनाने के लिये क्या-क्या उपाय किये जा सकते हैं? (150 शब्द) 10

The work culture of an organization reflects the foundational ethos of the society. In this context, suggest measures to be taken to create a good work culture for a public servant. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कार्य संस्कृति से तात्पर्य है कि सम्बन्धित संगठन की कार्यदशाएँ कितनी उपयुक्त है, कितनी लचीली है, कर्मचारी (अधीनस्थ - वरिष्ठों) के संबंधों को कैसे स्थापित करती है।

कार्यसंस्कृति निम्नलिखित रूप मे समाज की मूलसंस्कृति से प्रभावित होती है-

→ यदि समाज में लैंगिक भेदभाव विद्यमान है तो कार्यस्थलों पर भी लैंगिक भेदभाव उपस्थित होंगे। जैसे - भारत में।

→ समाज का खुलापन व स्वीकार्यता भी कार्यसंस्कृति को प्रभावित करता है। जैसे- पश्चिमी देशों में खुलापन अधिक है इसलिए वहाँ औपचारिक संबंधों में भारत की तरह Buddy system नहीं है।

→ समाज के मूल्य जैसे सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, बहस की संस्कृति भी कार्यसंस्कृति को प्रभावित करते है। साथ ही शक्तियों का केंद्रीकरण, सामाजिक वंचना से प्रभावित समूह भी कार्य संस्कृति को प्रभावित करते है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लोकसेवक हेतु उपयुक्त कार्यसंस्कृति के निर्माण हेतु निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं -

→ सबसे पहले स्थापित मानदंडो का अनुपालन सुनिश्चित करना जैसे- संवैधानिक मूल्यों का अनुपालन।

→ स्थापित मानदंडो को सर्वप्रथम वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुसरित करके अन्य लोगो को प्रेरित करना चाहिए।

→ मानको, नियमो में लोचशीलता हो। जैसे- कार्य के घंटे। उचित सुविधाएँ प्राप्त हो।

→ शिकायत निवारण प्रणाली का अनुक्रियाशील व सुगम तंत्र हो।

→ सर्वप्रथम मानदंडो का उल्लंघन करने वाले को चेतावनी देना तत्पश्चात पुनः उल्लंघन करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही व सजा देना।

एक उचित कार्यसंस्कृति कार्यनिष्पादन की दर, तीव्रता, स्वच्छता को प्रभावित करने मे महती भूमिका निभाती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) खेल नैतिकता से आप क्या समझते हैं? नैतिकता के अभाव में किसी भी खेल को एक 'देषपूर्ण द्वंद्व' बनने में देरी नहीं लगेगी। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by sports ethics? Without ethics a sport becomes 'spiteful duel'. Critically examine. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खेल नैतिकता से तात्पर्य है- खेल में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का समावेश हो न कि प्रतिशोधात्मक भावना का, खेल को सहयोग, मनोरंजन व आत्मिक उन्नति के भाव से खेलना चाहिए

"खेल से किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व एक घंटे में पता चल जाता है जबकि उसी व्यक्ति के साथ रहने पर एक साल मे उसका व्यक्तित्व पता नहीं चलपाता।"

परंतु वर्तमान में खेल को मनोरंजन के उपकरण के विपरीत एक प्रतिशोधात्मक उपकरण के रूप में देखा जाने लगा है स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के नाम पर मैच फिक्सिंग, सट्टेबाजी का बोलबाला दिन - प्रतिदिन बढ़ने लगा है

खेल में व्यावसायीकरण भी खेलो को गेम एथिक्स से दूर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करता जा रहा है

सहयोगात्मक भावना के विपरीत खेलों में बस प्रतिस्पर्द्धा ही शेष रह गयी है संवेदनशीलता का अंश नियमित रूप से गिरता जा रहा है जैसे रूस के सभी खिलाड़ियों को ओलंपिक से Anti-doping test में सफल न होने पर बाहर करने का निर्णय।

खेल मनोरंजन का हिस्सा न बनकर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का हिस्सा बन गया।

अतः जरूरी है खेल नैतिकता को पुनः स्थापित करने की। इसलिए खेल भावनों को बिना भेदभाव के अनुसरित करना चाहिए, संवेदनशीलता को कायम रखा जाए आदि।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) मीडिया एथिक्स से आप क्या समझते हैं? वर्तमान में मीडिया एथिक्स की स्थिति का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by media ethics? Critically examine the present status of media ethics. (150 words) 10

मीडिया एथिक्स से तात्पर्य है कि मानवोचित नैतिक गुणों का मीडिया की गतिविधियों में समावेशन हो।

मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मान्यता दी गयी है इसमें नैतिकता का होना जरूरी है। [illegible] इसमें उत्तरदायित्व होना, सरकारी नीतियों की सही समीक्षा करना, वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता जैसे गुण अपरिहार्य रूप से शामिल हों।

परंतु वर्तमान की मीडिया चाहे वह सोशल मीडिया हो या परंपरागत मीडिया सभी पीत पत्रकारिता व TRP Rating की ओर अग्रसर है संवेदनशीलता का पहलू तो नियमित रूप से कम होता जा रहा है जैसे-

गोरखपुर में एक तरफ बच्चे मृत्यु

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

संख्या पर लेते थे तो वही मीडिया बॉलीवुड के चटपटी खबरों पर चर्चा करता है।

मीडिया को विचारधारा तटस्थ रहना चाहिए। परंतु वर्तमान में मीडिया दक्षिणपंथी / वामपंथी विचारधारा की ओर झुके हुए हैं।

अनियंत्रित & अनियमित सोशल मीडिया ने तो संवेदनहीनता, असहिष्णुता के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं।

अतः मीडिया को वास्तविक रूप से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बनाने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर झूठी खबरों को फिल्टर करना, परंपरागत मीडिया को पीत पत्रकारिता के पीछे न भागने के हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान मे कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड – ख / SECTION – B

9. प्रकाश झा बाढ़ से प्रभावित राज्य में सहायता आयुक्त हैं। राज्य में अधिक वर्षा होने पर जलभराव के कारण ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आ जाती है जिससे बोई हुई फसलें पानी में डूब जाती हैं। तो वहीं कुछ लोगों ने इस आपदा को लाभ कमाने का अनैतिक धंधा बना लिया है। जैसे ही बाढ़ की खबरें अखबारों में छपती हैं और टेलीविज़न चैनलों में प्रसारित होती हैं, प्रभावित ज़िलों में पटवारियों के कार्यालयों में बाढ़ राहत हेतु अनुरोधों की बाढ़ आ जाती है। यदि किसी गाँव का 10 प्रतिशत भू-भाग भी प्रभावित हुआ है तो इसमें भी 95-99 प्रतिशत लोग बाढ़ राहत के लिये आवेदन दे देते हैं। सर्वाधिक दयनीय स्थिति यह है कि हानियों का सर्वेक्षण केवल कागज़ों पर ही किया जा रहा है। पंचायत के कर्मचारी व गाँव के दबंग लोग सर्वेक्षण दल को वही सब लिखने के लिये दबाव डालते हैं, जो वे कहते हैं। प्रकाश झा को अगले सप्ताह में भारी वर्षा की अग्रिम सूचना मिली है और वे इस दुविधा में है कि जैसा चल रहा है वैसा ही चलने दें या भारी विरोध के होते हुए भी राहत कार्य में कुछ मूलभूत सुधार करें।

अगर आप प्रकाश झा की जगह होते तो आप इस समस्या के संबंध में क्या निर्णय लेते और उपर्युक्त समस्या का समाधान किस प्रकार करते? विश्लेषण सहित उत्तर दें। (250 शब्द) 20

Prakash Jha is an Assistant Commissioner in a flood affected state. Heavy rainfall causes water logging and flooding in the rural areas which leads to submersion of crops. A few people exploit the situation to make money. With the dissemination of the news of flood from newspapers and television channels the offices of the Patwaris get flooded with applications for flood relief. Even if only the 10 percent of the village has been affected 95-99 percent of the people apply for flood relief. The most pitiable reality is that the claims are examined only on paper. The employees of the Panchayat and the dominant villagers pressurize the survey team to report as per their wishes. Prakash Jha has received an early warning of heavy rains in the next week and he is in dilemma whether to continue with the prevalent modus operandi or introduce some fundamental reforms in relief work, braving heavy resistance.

If you were in the position of Prakash Jha what would have been your decision and how would you have solved the problem? Answer with explanation. (250 words) 20

सर्वप्रथम तो इस संदर्भ में निम्नलिखित हितधारक हैं –
पीड़ित लोग;
पटवारी, पंचायत के कर्मचारी;
दबंग / प्रभावशाली लोग
सहायता आयुक्त एवं राज्य आदि।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

यहाँ मेरे समक्ष प्रमुख समस्याएँ है -
- किस तरह लोगों को मकुल राजकीय सहायता प्रदान कि की जाए ?
- सर्वेक्षण को वास्तविक धरातल पर कैसे निष्पादित किया जाए?
- कर्मचारी व दबंग लोगों का नियमन
- वास्तविक लाभार्थियों को कैसे लाभ पहुँचाया जाए ?

उपर्युक्त समस्याओं का मैं निम्नलिखित तरीके से समाधान करने का प्रयास करूँगा। -

→ सर्वप्रथम तो बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का वास्तविक आकलन को पुनः निष्पादित करने का प्रयास करूँगा। चूँकि मुझे पता है कि वर्तमान मे संपादित सर्वेक्षण वास्तविक धरातल की तस्वीरों को प्रतिबिंबित नहीं करता है।
यह गाँव कु प्रभावशाली लोगों का जाल प्रतीत होता है इसमें वास्तविक लाभार्थियों के वंचित होने की पूरी संभावना रहेगी। अतः पुनः सर्वेक्षण हेतु मैं अपने वरिष्ठो

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से अनुमति व NGOs से सहायता माँगूगा।

→ पटवारियों को निर्देश दूँगा कि वास्तविक रूप से प्रभावित ~~लोगों~~ लोगों को ही लाभ दे क्योंकि इससे संसाधनों का अनुचित दोहन रुकेगा एवं भावी प्रतिमान भी स्थापित होंगे।

साथ ही यदि कोई पटवारी या पंचायत का कर्मचारी निर्देशों की अवहेलना करने का प्रयास करता है तो प्राथमिक रूप से चेतावनी देने के उपरांत उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही भी कर सकता हूँ।

→ झूठे आवेदकों को भी चेतावनी दूंगा ताकि वास्तविक लाभार्थियों का इस संवेदनशील स्थिति में मनोबल बढ़े एवं उनको त्वरित सहायता प्राप्त हो।

→ इसके उपरांत गाँव के दबंग लोगों को सरकारी गतिविधियों व आपदा प्रबंधन रणनीतियों में हस्तक्षेप न करने की सलाह दूंगा। यदि वे इसके उपरांत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भी नहीं मानते हैं तो मैं वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह से उन पर अत्यकालिक पुलिस कार्यवाही की भावी चेतावनी भी जारी कर सकता हूँ।

→ आपदा प्रबंधन की नियमित जानकारी मैं सरकार के पास रिपोर्टिंग करता रहूँगा ताकि शीर्ष भाग से नियमित मानव व भौतिक संसाधनों की आपूर्ति होती रहे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

10. आप किसी पिछड़े हुए गाँव में डॉक्टर हैं। आपको सरकारी फेलोशिप मिली थी ताकि आप अपनी पढ़ाई को विदेश में जारी रख सकें, लेकिन आपने पिछड़े गाँव के लोगों की सेवा करने का रास्ता चुना। आपको पता चलता है कि इस गाँव में हर साल महामारी आती है, जिसमें कई लोगों की मृत्यु हो जाती है। अतः आपने इस महामारी से निपटने के लिये एक नई दवाई का निर्माण किया है ताकि एक भी व्यक्ति की जान न जा सके। किंतु यह गाँव रूढ़िवादी और परंपराओं से बंधा हुआ है तथा गाँव के व्यक्ति आपकी दवाओं का उपयोग करने से मना कर देते हैं जबकि इन दवाओं का उपयोग इनके स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है ताकि महामारी से बच सकें।

उपर्युक्त प्रकरण में आप क्या निर्णय लेंगे? निर्णय की कारण सहित व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 20

You are a doctor in a backward village. You had received a government fellowship to continue your studies abroad but you have chosen to serve the people of this backward village. You have come to know that every year an epidemic outbreak kills several people in the village. You have invented a new medicine to deal with this epidemic and to prevent deaths caused by it. But this village is tied in conservative beliefs and the people refuse to use your medicine despite it being an essential for their health and a way to defeat the epidemic.

In the above situation what will be your decision? Justify. (250 words) 20

उपर्युक्त केस स्टडी भारत के ग्रामीण समाज की बहुधा स्थिति को बयाँ करती है। जहाँ वर्तमान चिकित्सकीय क्रांति के दौर में भी रूढ़िवादिता विद्यमान है।

चूँकि गाँव मे प्रतिवर्ष महामारी आती है अतः मैं ग्रामीणों को ~~निर्मित~~ दवाओं के उपयोग करने की सलाह देने के साथ-साथ वास्तविक धरातल पर इसका क्रियान्वयन करने का प्रयास करूँगा।

मेरे इस निर्णय की पृष्ठभूमि में निम्नलिखित कारण निहित है—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ चूँकि गाँव में प्रतिवर्ष महामारी आने से मानव संसाधन की अपूरणीय क्षति होती है जिससे गाँव में एक भय का माहौल पसर जाता है

अत: लोगों के भय को दूर करने के लिए मैं दवा का उपयोग करने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करूँगा।

→ लोगों को सलाह दूंगा कि यदि वे दवाओं का उचित समय पर सेवन करेंगे तो महामारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है

इसके लिए मैं स्वयं दवा लेकर लोगों को रूढ़िवादिता से मुक्त करने का प्रयास करूँगा ताकि उनमें विश्वास बढ़े एवं दवा की प्रभावशीलता के प्रति उनका नजरिया बदले।

→ भविष्य में अनेक और महामारियों के फैलने की भी पर्याप्त संभावना निहित होती है। अत: भविष्य में वर्तमान

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसी अनिश्चितताओं से निपटने के लिए लोगों को दवाओं के उपयोग हेतु राजी करना जरूरी है।

इससे लोगों में महामारियों के प्रति भय का अंत करके चिकित्सा विज्ञान में विश्वास जगाया जा सकता है।

→ अपने निर्णय में गाँव के प्रभावशाली लोगों की सहायता से क्रियान्वित करवाने का प्रयास करूँगा ताकि लोगों में स्वीकार्यता बढ़े।

इसके अलावा लोगों को देशी व वैश्विक उदाहरणों के माध्यम से अपने निर्णय की स्वीकारोक्ति बढ़ाने का प्रयास करूँगा।

→ यदि लोग निर्णय को स्वीकार कर लेते हैं तो उनकी रोग प्रतिरोधकता बढ़ेगी; जीवन स्तर व विकास गतिविधियाँ बढ़ेंगी।

इस तरह जागरूकता फैलाकर (शिक्षा संस्था, नुक्कड़-नाटकों) लोगों को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मनाकर दवा के उपयोग से बचाऊँगा। इस निर्णय का एक प्रमुख कारण यह भी है कि देश के अन्य हिस्सों के लिए यह एक आदर्श प्रतिमान की भाँति कार्य करेगा। विशेषकर दुर्गम व जनजातीय क्षेत्रों में एवं लोग रूढ़िवादिता से आधुनिक समाज की ओर अग्रसर होंगे।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

11. आप एक पेशेवर खिलाड़ी हैं और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको इतनी आर्थिक मदद नहीं मिलती है, जिससे आप अपनी तथा परिवार की ज़रूरतों को पूरा कर सकें। इसका नकारात्मक प्रभाव आपके प्रदर्शन पर भी पड़ रहा है। इसी क्रम में आपको विपक्षी टीम के प्रशासकों द्वारा फिक्सिंग में सम्मिलित होने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। आपके परिवार की आर्थिक स्थिति लगातार गिरती जा रही है तथा आपके फिक्सिंग में सम्मिलित होने पर एक तरफ जहाँ आपके परिवार के जीवन-स्तर में सुधार होगा, वहीं दूसरी तरफ आपके प्रदर्शन में सुधार हो सकता है और आप एक खिलाड़ी के तौर पर नई उपलब्धियों को पा सकते हैं।

उपर्युक्त प्रकरण में आपके समक्ष कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुण-दोषों को उल्लिखित करते हुए समुचित निष्कर्ष दें। (250 शब्द) 20

You are a professional player but you do not get sufficient remuneration as a player to fulfill your and your family's needs. This also negatively impacts your performance. In this situation you are approached by the managers of opposition team to involve in fixing. Amidst the deteriorating financial condition of your family if you involve in the fixing not only the quality of life of your family but also your performance will improve and you can achieve new feats as a player.
In the above mentioned case what are the options available to you? Explain the pros and cons of each option to reach appropriate conclusion. (250 words) 20

यह केस स्टडी एक सामान्य जीवन से उठे खिलाड़ी की वास्तविक स्थिति को प्रदर्शित करती है।

इस संदर्भ में मेरे समक्ष निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध हैं—

(a) ~~[illegible]~~ मैं यथास्थिति पर कायम रहकर अतिरिक्त कार्य करना चाहूँगा।

इस निर्णय का लाभ तो यह होगा कि मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मुझ पर से मानसिक तनाव हटेगा। एवं मेरे खेल में सकारात्मक सुधार होगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइटः www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटरः twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

b) दूसरा विकल्प विपक्षी टीम के खिलाड़ियों से फिक्सिंग का विकल्प स्वीकार करना है।

इस विकल्प का गुण तो यह है कि मेरे परिवार की लगातार रूप गिरती आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इससे उनका जीवन स्तर में उन्नति होगी। साथ ही मेरे परिवार की नकारात्मक स्थिति का प्रभाव मेरे खेल पर पड़ रहा था। अतः मानसिक तनाव के दूर होने पर मेरे प्रदर्शन में सुधार संभावी है।

इस विकल्प का प्रमुख दोष यह है कि यह खेल नैतिकता की भावना का पूर्ण रूप से उल्लंघन करता है। खेल को सत्यनिष्ठा व मनोरंजन के रूप में खेलना चाहिए। चूँकि मैं एक पेशेवर खिलाड़ी हूँ, इसलिए यह खेल भावना में धोखा करने को दिखाएगा।

यदि भविष्य में जाँच प्रक्रिया में खुलासे के दौरान मेरा नाम सामने आता है तो मेरा पूरा करियर ही खतरे में पड़ सकता है तब मैं कुछ भी नहीं कर पाऊँगा।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

c) मेरे समक्ष तीसरा विकल्प है विपक्षी टीम के प्रशासकों द्वारा दिए गए फिक्सिंग के प्रस्ताव को अपने टीम के प्रशासकों से बताना। साथ ही उनको अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में बताना एवं खेल मंत्रालय से पत्राचार करना।

इस निर्णय का सबसे प्रमुख लाभ तो यह होगा कि खेल नैतिकता के अनुरूप खेल की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा युक्त भावना बनी रहेगी। साथ ही विपक्षी टीम पुन: किसी को ऐसा प्रस्ताव देने से कतराएगी। मैं यह खुलासा मीडिया के समक्ष करने का प्रयास करूँगा ताकि अन्य टीमों के लिए भी यह निर्णय नज़ीर बने।

दूसरा लाभ यह होगा कि मुझे दीर्घकालिक रूप से ईमानदार खिलाड़ी की नज़र से देखा जाएगा। साथ ही मेरी आर्थिक स्थिति में सरकारी योजनाओं के तहत सहायता मिलने से सुधार होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस निर्णय का नुकसान यह होगा कि अल्पकालिक रूप से मेरे परिवार की स्थिति में सुधार नहीं होगा।

अतः मैं तृतीय विकल्प का चयन ही करना चाहूँगा जो कैवल नैतिकता के साथ साथ सामान्य नैतिक मूल्यों के अनुरूप है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

12. आप किसी शहर में अपने परिवार से दूर रहकर सरकारी सेवा की तैयारी करते हैं तथा आप अपने परिवार में माता-पिता की अकेली संतान हैं। आपको पता चलता है कि आपकी माताजी की तबीयत बहुत खराब हो गई है तथा उनकी देखभाल करने के लिये एक ज़िम्मेदार व्यक्ति की आवश्यकता है। चूँकि, आपके पिताजी को अपने कार्यक्षेत्र में जाना पड़ता है और उनकी नौकरी से आपके परिवार का पालन-पोषण होता है, इन परिस्थितियों में आपके पिताजी आपसे अपनी माताजी की देखभाल करने के लिये कहते हैं। अगले ही कुछ दिनों में आपकी संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षाएँ शुरू होने वाली हैं तथा यह आपका अंतिम अनिवार्य प्रयास है।

इन परिस्थितियों में आपके सामने क्या-क्या विकल्प उपलब्ध हैं। प्रत्येक विकल्प के गुण-दोषों का अवलोकन करते हुए समुचित निष्कर्ष दें। (250 शब्द) 20

You prepare for civil services by staying in a city away from your family and you are the only child of your parents. You came to know that the health of your mother has deteriorated and a responsible person is required to take care of her. Your father has to go to his work and his job is essential to meet the needs of your family. In these circumstances your father asks you to take care of your mother. In the next few days, your Union Public Service Commission main examination is going to start and this is your last attempt.

In the above mentioned case what are the options available to you? Explain the pros and cons of each option to reach appropriate conclusion. (250 words) 20

यह स्थिति मेरे समक्ष नैतिक दुविधा की स्थिति उत्पन्न करता है क्योंकि एक तरफ तो अपनी माताजी की देखभाल के लिए उपस्थित होना भी जरूरी है वहीं दूसरी तरफ संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की मुख्य परीक्षा में अंतिम प्रयास है।

अतः मैं निम्नलिखित उपाय अपनाऊँगा।

a) सर्वप्रथम मैं मुख्य परीक्षा की तैयारी करूँगा व परीक्षा में उपस्थित होऊँगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इसका गुण यह है कि यह मेरा UPSC में अंतिम प्रयास है साथ ही सफलता की संभावनाएँ भी पर्याप्त निहित हैं। परीक्षा केवल पाँच दिनों तक ही संचालित होती है यानि कि अल्पावधिक है। परीक्षोपरांत मैं घर जा सकता हूँ।

परंतु इस निर्णय का दोष यह है कि मैं मानसिक रूप से मुख्य परीक्षा में उपलब्ध नहीं हो पाऊँगा क्योंकि नैतिक दुविधा की स्थिति में मैं अपना सर्वस्व योगदान नहीं दे सकता। साथ ही मेरी माँ की नाजुक स्थिति मेरी भावनात्मक कमजोरी बन जाती है।

b) दूसरा विकल्प यह है कि मैं पिताजी से आने के लिए आग्रह करूँ एवं कुछ दिनों तक पिताजी के आने तक माँ के पास जाऊँ।

इस निर्णय का लाभ यह होगा कि मैं माँ के पास उनकी देखभाल के लिए उपलब्ध रहूँगा। इससे मेरी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुख्य-परीक्षा की तैयारी भी जारी रहेगी। पिताजी के आने के उपरांत मैं पुनः शहर आकर अपनी तैयारी शुरू कर दूंगा। इससे मेरा मानसिक तनाव भी कम हो जाएगा।

इस निर्णय का प्रमुख दोष यह है कि मैं क्रमिक रूप से गाँव में रहकर न तो माँ की देखभाल कर पाऊँगा एवं न ही मुख्य परीक्षा की तैयारी। सदैव द्वंद्व में उलझा रहूँगा। साथ ही पिताजी की वापस बुलाने पर आय का स्रोत अवरुद्ध हो जाएगा। इसलिए माँ की चिकित्सीय देखभाल भी अवरुद्ध होगी।

c) अंतिम विकल्प होगा माँताजी का शहर के निकट किसी अस्पताल में भर्ती करवाना। इसके लिए मैं स्वयं जाऊँगा। साथ ही टेली-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित चिकित्सकों से जानकारी लेता रहूँगा।

इस निर्णय का प्रमुख गुण यह है कि माँ की देखभाल के साथ-साथ

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अपनी पढ़ाई भी जारी रहेगी। दोनों की
गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव
नहीं पड़ेगा।

परंतु नुकसान/दोष यह है कि
शहर में अधिक लागत, माता के लिए चिकित्सालय
में परिवर्तन करने में समस्या आ सकती है
क्योंकि उनकी तबीयत नाजुक है।

मैं तृतीय विकल्प का चयन करना
चाहूँगा। यदि डॉक्टर मुझे सलाह देते
हैं कि इनकी देखभाल हेतु मेरा वहाँ
रहना अपरिहार्य है तो देखभाल हेतु उपस्थित
रहना मेरी वरीयता होगी। क्योंकि मेरे
समक्ष अन्य नौकरियों हेतु विशेषकर राज्य
लोक सेवा आयोग हेतु भी विकल्प मौजूद
रहेंगे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this spa

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

13. आप किसी बाल सुधारगृह में कार्यरत अधिकारी हैं। आप इन बालक व बालिकाओं के आचरण में सुधार तथा इनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास करते हैं। लेकिन आपको पता चलता है कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों के गठजोड़ से इनको अपराध करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है तथा इनका यौन शोषण किया जाता है। आप इन अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का निर्णय लेते हैं लेकिन इन व्यक्तियों द्वारा मीडिया में आपके बारे में गलत जानकारी फैला दी जाती है। प्रशासन आपसे उक्त समस्या का जवाब मांगता है।

(a) उक्त प्रकरण में आपके समक्ष कौन-कौन से नैतिक मुद्दे उपस्थित हैं?

(b) नीचे दिये गए विकल्पों के गुण-अवगुण को बताइये-

(i)आप छुट्टी पर चले जाएंगें

(ii)आप अपने उच्चस्थ अधिकारी से इस संबंध में सलाह मांगेंगे और उसका पालन करेंगे।

(iii)आप मीडिया में जाकर अपनी बात को रखेंगे। (250 शब्द) 20

You are working as an officer in a juvenile home. You try to improve the quality of life and conduct of these boys and girls. But you have come to know that with the nexus of some officials and employees they are encouraged to commit crimes and are sexually exploited. You decide to take action on such officers and employees. But they disseminate false information about you in the media. The administration asks for your response on the allegations.

(a) In the above situation, bring out the ethical issues present before you?

(b) Explain the pros and cons of the options given below-

(i) You will go on leave.

(ii) You will ask your senior officer for advice and will follow it.

(iii) You will keep your point in the media. (250 words) 20

(a) उपर्युक्त केस स्टडी में निम्नलिखित नैतिक मुद्दे हैं-

→ बाल अधिकारों (मानवाधिकारों) का दुरुपयोग।
बालकों को अपराध हेतु प्रोत्साहित करना उनके सहज सामाजीकरण को अवरुद्ध करेगा तो वहीं यौन शोषण उनके ~~मर्यादापूर्ण~~ गरिमापूर्ण जीवन न निजता पर प्रहार है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ लोकसेवकों (बालसुधार गृह के अधिकारी व कर्मचारी) में लगातार कम होती संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय का निम्न स्तर भी नकारात्मक संकेतक है।

→ मीडिया में गलत सूचना का प्रसारण करके जनता को व सरकार को वास्तविक स्थिति से अवगत न कराना भी अनुचित है एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया जैसे - पारदर्शिता व जवाबदेहिता के विरोध में है।

→ यह बालसुधार गृहों के निर्माण के उद्देश्यों से विचलित करने का प्रयास है

→ यह लैंगिक भेदभाव व असंवेदनशीलता को उजागर करता है

→ सहज मानवीय गुणों की अवहेलना व नैतिकता का ह्रास।

(b)

i) यदि मैं छुट्टी पर गाँव चला जाऊँगा तो इसका गुण यह है कि मैं मीडिया को जवाब देने से बच जाऊँगा एवं उत्पन्न परिस्थिति से स्वयं को बचा पाऊँगा जब तक कि समुचित जाँच हो।

परंतु इस विकल्प का प्रमुख दोष

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह है कि मैं एक कर्मचारी के सहज गुणों जैसे जवाबदेयता, शोषणकारी व्यवस्था का विरोध करने से डर भागता प्रतीत होऊँगा। साथ ही मानवीय संवेदनशीलता को स्वीकार न करने से मेरी अंतरात्मा इसका विरोध करेगी।

1) दूसरे विकल्प का गुण यह है कि मेरे निर्णयों को वरिष्ठ अधिकारियों की सलाह से प्रमाणिकता प्राप्त होगी। इस सलाह का पालन करना मेरा दायित्व है इससे मेरे उच्च अधिकारियों से संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

परंतु दोष यह है कि इस बात की पूर्ण संभावना है कि उच्चाधिकारी भी इस कृत्य में शामिल हों। उनके द्वारा दी गयी हर सलाह को मानना एक ~~प्रतिक्रिय~~ प्रगतिशील कर्मचारी की पहचान नहीं है क्योंकि यह बालसुधारगृह के उद्देश्यों से विचलन को दर्शाता है। यह मेरे दायित्वों का परित्याग सिद्ध होगा,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

iii) मीडिया के सामने बात रखने का सबसे प्रमुख गुण यह है कि जनसामान्य सरकार व उच्च अधिकारी वास्तविकता से परिचित होंगे एवं आरोपियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही होने की पूरी संभावना रहेगी।

साथ ही मैं एक अधिकारी के लिए आवश्यक गुण व नैतिकता को निभाने में भी सफल रहूँगा एवं भविष्य की किसी विभागीय जाँच प्रणाली से भी बचा रहूँगा।

इसका प्रमुख दोष यह है कि यह मेरे उच्च अधिकारियों से संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है एवं मुझे अनुशासनात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है

परंतु मैं तृतीय विकल्प को व दूसरे विकल्प को मिश्रित रूप में स्वीकार करना चाहूँगा ताकि मैं भावी अनुशासनात्मक कार्यवाही से बच सकूँ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

14. आप किसी ऐसे राज्य के मुख्य सचिव हैं जहाँ पर ज़हरीली शराब पीने के कारण कुछ लोगों की मृत्यु हो गई। आपको पता है कि 'गरीबी' में नशा (मद्यपान) जैसी प्रवृत्तियाँ गरीबी के दुष्चक्र को और गहरा देती हैं तो वहीं कुछ सामाजिक संगठनों, महिला संगठनों व विपक्ष द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है कि राज्य में शराबबंदी को लागू किया जाए। हाल ही में विभिन्न राज्यों द्वारा शराबबंदी लागू की गई और आपको पता चलता है कि शराबबंदी वाले राज्यों में इससे कुछ दूसरे प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न हो गई, जैसे पड़ोसी राज्यों से शराब की अवैध तस्करी जिससे राज्य में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला। तो वहीं इससे उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा क्योंकि शराब की बिक्री से प्राप्त आय राज्य के राजस्व का मुख्य स्रोत है जिससे उन राज्यों में अनेक कल्याणकारी कार्यक्रमों को लागू करने में कठिनाई आ रही है।

उपर्युक्त प्रकरण में आप सरकार को क्या निर्णय लेने का सुझाव देंगे? प्रभावी कारण सहित समुचित निष्कर्ष दें?(250 शब्द) 20

You are the chief secretary of a state where few people have died due to consumption of toxic liquor. You know that alcoholism in poverty deepens the vicious cycle of poverty. There are persistent pressures by some social organizations, women organizations and the opposition for enforcing the prohibition on liquor in the state. You have come to know that the prohibition of alcohol in some states has caused some other types of problems like illegal smuggling of alcohol from neighboring states, which has encouraged corruption in those states. It also has negative impact on the economy of those states because the revenue from the sale of liquor was the main source of revenue for them which helped them in implementation of many welfare programs.

In the above situation, what will be your recommendation to the government? With proper reasoning suggest appropriate conclusion. (250 words) 20

भारत में शराब की समस्या लगभग हर राज्य में उपस्थित है। यह महिलाओं की स्थिति को बहुत नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। साथ ही परिवार की आय में कमी करती है।

मैं सरकार को न तो पूर्ण शराबबंदी की सलाह दूँगा एवं न ही खुली में शराब बेचने की ~~तरह~~ अनुमति देने की सलाह दूंगा। मेरे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this sp

इस निर्णय हेतु निम्नलिखित कारण उत्तरदायी हैं—

→ पूर्णतः शराबबंदी व्यक्ति के गरिमापूर्ण जीवन जीने व चयन की स्वतंत्रता के मूलभूत अधिकारों को ~~विरोध कर~~ प्रतिबंधित करती है। साथ ही यह अनेक लोगों के रोजगारों को समाप्त भी करती है। इससे सामाजिक तनाव बढ़ने की प्रबल संभावना निहित है साथ ही इस मुद्दे के राजनीतिकरण होने से आपराधिक प्रवृत्ति व सामाजिक विभाजन की संभावना भी निहित है

→ खुले रूप में शराब बेचने की अनुमति न देने के पीछे प्रमुख कारण यह है कि एक तो यह आपराधिक प्रवृत्तियों में बहुधा इजाफा करेगा एवं सामाजिक व्यवस्था के टूटने का भय रहता है युवा वर्ग का आकर्षण बढ़ेगा एवं युवाओं में शराब की लत बढ़ेगी।

साथ शराब उद्योग को विनियमित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करने हेतु विनियामक संस्थाओं के समक्ष चुनौती उत्पन्न हो सकती है इससे कुशासनगत गैप आ सकता है

साथ ही सरकारी शराब उत्पादक इकाईयों पर कर लगायें ; यह निश्चित कर पाना भी मुश्किल होगा।

वर्तमान में पहले से ही विद्यमान महिलाओं की हासमान स्थिति में और भी गिरावट होगी। उनका सामाजिक शोषण के साथ-साथ आर्थिक शोषण भी बढ़ेगा। बच्चे शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से भी वंचित रह जायेंगे।

→ मेरा सुझाव होगा कि नियमन्त्रित रूप से शराब की बिक्री जारी रहे साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी समानांतर रूप से चलाये जायें। इस द्विआयामी नीति से एक तरफ तो शराबबंदी/खुली शराब बिक्री जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होगी साथ ही शराब बिक्री को नियन्त्रित किया जा सकेगा। साथ ही सरकार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

का राजस्व घाटा भी नहीं होगा एवं पड़ोसी राज्यों से शराब की होने वाली तस्करी पर भी रोक लगेगी।

जागरूकता कार्यक्रमों से महिलाएँ भी इसका समर्थन करेंगी एवं परिवारों का सशक्तिकरण होगा; लोग शराब के नकारात्मक प्रभावों को जानकर इसका सेवन कम करेंगे।

अतः तृतीय सुझाव को मैं समर्थित करूँगा क्योंकि इसमें एक तरफ तो सामाजिक सशक्तिकरण का पहलू शामिल वहीं गरिमापूर्ण जीवन व चयन की स्वतंत्रता जैसे अधिकार भी अविच्छिन्न रूप से जारी रहेंगे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **चौदह** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **FOURTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

Copyright – Drishti The Vision Foundation